



भारत सरकार Government of India



कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय / Ministry of Agriculture & Farmers Welfare
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग / Department of Agriculture & Farmers Welfare

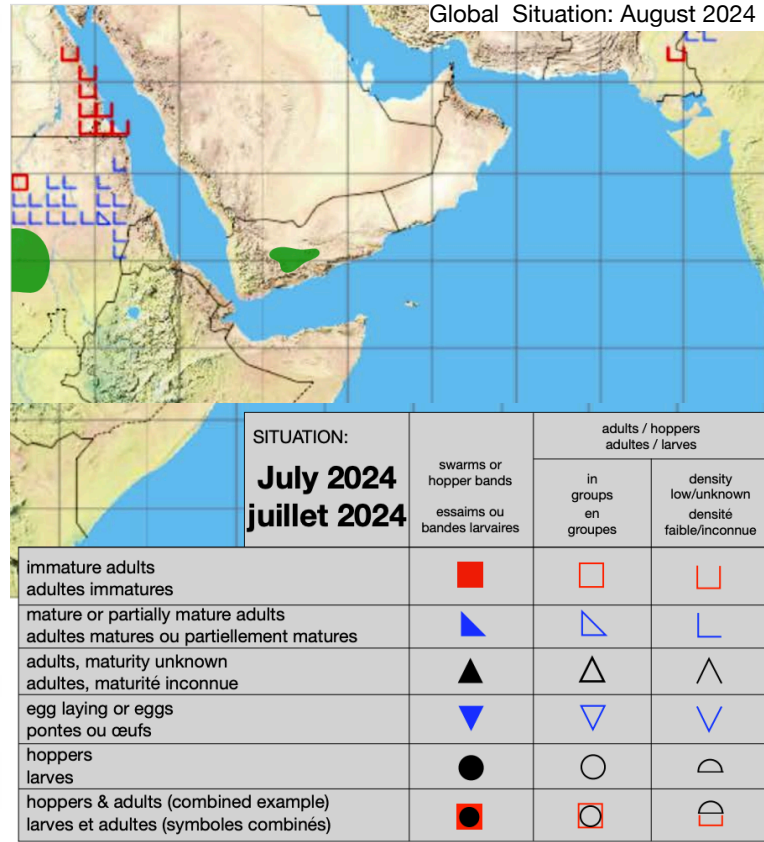
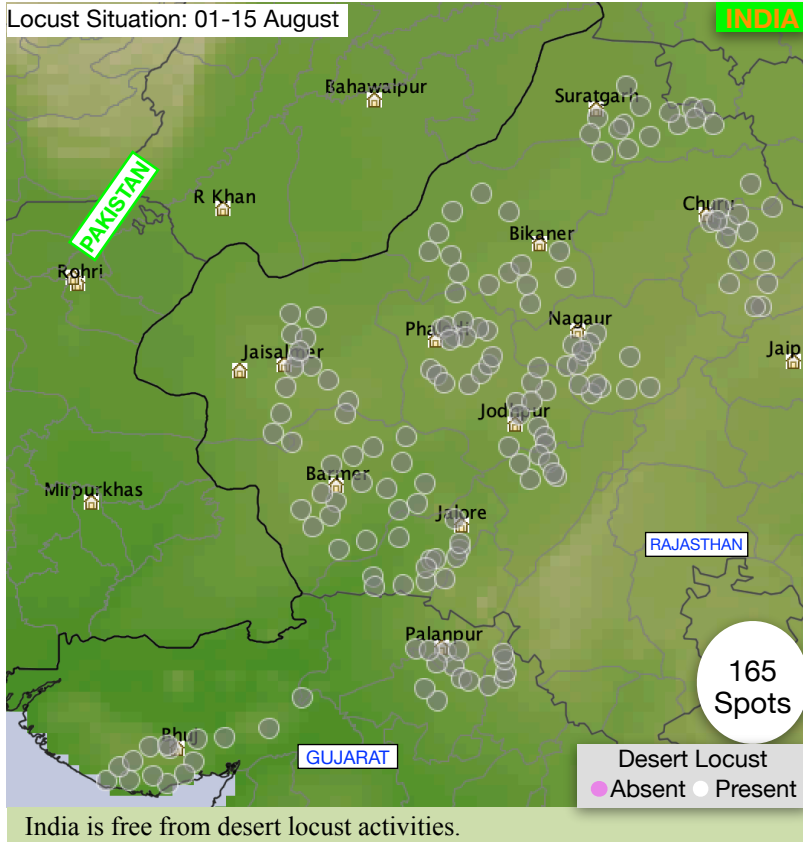
DESERT LOCUST SITUATION BULLETIN

Year 2024 / No. 15

अवधि / Period 01-15 August 2024

LOCUST SITUATION: During the routine surveys, India (Scheduled Desert Area) found free from gregarious as well as Solitary locust activity during the **1st fortnight of August 2024**. Total **165** nos. of spots were observed while conducting surveys which are plotted on the map.

टिड्डी की गतिविधियाँ : नियमित सर्वेक्षण के दौरान, भारत में (अनुसूचित रेगिस्तानी क्षेत्र) **अगस्त 2024 के प्रथम पखवाड़े** के दौरान सामूहिक और एकल टिड्डियों की गतिविधि से मुक्त पाया गया। सर्वेक्षण करते समय कुल 165 स्थानों का अवलोकन किया गया, जिन्हें मानचित्र पर दर्शाया गया है।



India is free from desert locust activities.

Swarm movement : Nil
Breeding : Nil
Hoppers : Nil
Solitary Isolated/ scattered mature/immature adults : Nil

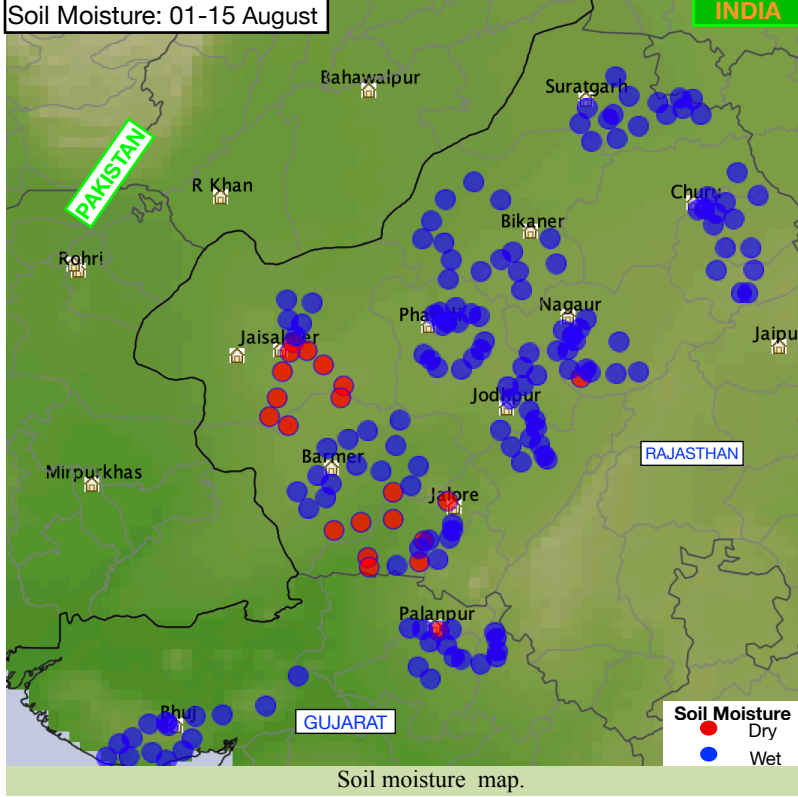
Global Situation (Area treated): July 2024

Control operation decreased slightly in July to 30 ha. compared to 3111 ha. in June.

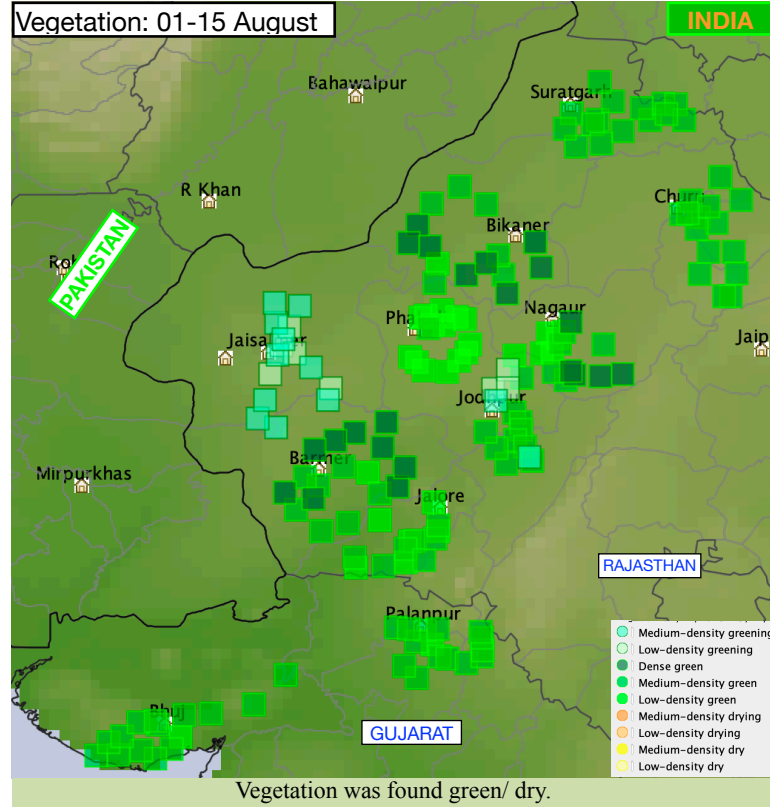
Area Treated in Sudan : 30 ha.

SWAC Situation : A few isolated adults in Pakistan. Due to more rainfall one generation of limited breeding will occur along the Indo-Pakistan border, but numbers are not expected to increase significantly.

WEATHER AND ECOLOGY: During the survey in scheduled desert area the soil moisture found dry at few spots of **Jaisalmer and Barmer** and wet in all other surveyed locations. Vegetation was found green at all surveyed locations. Soil moisture and vegetation are shown in the map below.



मौसम एवं परिस्थितिकी : अनुसूचित मरुस्थलीय क्षेत्र में सर्वेक्षण के दौरान **जैसलमेर और बाड़मेर** के कुछ स्थानों पर मिट्टी की नमी सूखी और अन्य सभी सर्वेक्षण स्थानों पर गीली पाई गई। सर्वेक्षण किए गए सभी स्थानों पर वनस्पति हरी पाई गई। मिट्टी की नमी और वनस्पति को नीचे दिए गए मानचित्र में दिखाया गया है।



FAO Update (02 August): A few adults in the central Sahara of Algeria. Summer rains will continue in the northern Sahel, where there will be low numbers of adults and limited small-scale breeding in southern Mauritania, northern Mali and Niger, central and northeastern Chad and perhaps southern Algeria. Some smaller groups and more scattered adults were observed moving south into northern Sudan (control in 30 ha). Numbers of isolated immature adults continued to decline on the Red Sea coast and in the interior of Egypt. Rain is expected to continue from Sudan's western Darfur to western lowlands of Eritrea and interior areas of Yemen. The first generation of summer breeding will occur in August and September with hatchlings and hoppers, followed by new immature adults from mid-September. A few isolated adults have been found in Pakistan. There will be more rainfall along the India-Pakistan border and one generation of limited breeding, but numbers are not expected to increase significantly.

South West Asia Commission (SWAC) : Situation is calm in Iran, Pakistan, India and Afghanistan. In Pakistan, Few immature solitarius adults were seen in the Nara Desert southeast of Sukkur and also Cholistan near Islamgarh.

Forecast (India) : Ecological conditions become favourable for locust activity due to high rainfall and green vegetation in the Scheduled Desert Area, Moreover, no locust was seen during the survey. Therefore, the locust activity is not expected upto the next fortnight.

एफ. ए. ओ. अपडेट (02 अगस्त): अल्जीरिया के केंद्रीय सहारा में कुछ वयस्क हैं। उत्तरी साहेल में गर्मियों की बारिश जारी रहेगी, जहां दक्षिणी मॉरिटानिया, उत्तरी माली और नाइजर, मध्य और पूर्वोत्तर चाड और शायद दक्षिणी अल्जीरिया में वयस्कों की कम संख्या और सीमित छोटे पैमाने पर प्रजनन होगा। कुछ छोटे समूहों और अधिक बिखरे हुए वयस्कों को उत्तरी सूडान (30 हेक्टेयर में नियंत्रण) में दक्षिण की ओर बढ़ते देखा गया। लाल सागर तट और मिस्र के अंदरूनी हिस्सों में अलग-थलग अपरिपक्व वयस्कों की संख्या में गिरावट जारी रही। सूडान के पश्चिमी दारफुर से लेकर इरिट्रिया के पश्चिमी निचले इलाकों और यमन के अंदरूनी इलाकों में बारिश जारी रहने की उम्मीद है। ग्रीष्मकालीन प्रजनन की पहली पीढ़ी अगस्त और सितंबर में हैचिंग और हॉपर के साथ होगी, इसके बाद सितंबर के मध्य से नए अपरिपक्व वयस्क आएंगे। पाकिस्तान में कुछ पृथक वयस्क पाए गए हैं। भारत-पाकिस्तान सीमा पर अधिक वर्षा होगी और सीमित प्रजनन की एक पीढ़ी होगी, लेकिन संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद नहीं है।

दक्षिण पश्चिम एशिया आयोग (एस.डब्ल्यू.ए.सी.) : ईरान, पाकिस्तान, भारत और अफगानिस्तान में स्थिति शांत है। पाकिस्तान में कुछ अपरिपक्व एकांकी वयस्कों को सुक्कुर के दक्षिण-पूर्व में नारा रेगिस्तान और इस्लामगढ़ के पास चोलिस्तान में देखा गया था।

पूर्वानुमान (भारत): अनुसूचित मरुस्थलीय क्षेत्र में अधिक वर्षा और वनस्पति हरी होने के कारण टिट्टियों की गतिविधि के लिए पारिस्थितिक परिस्थितियाँ अनुकूल हैं, लेकिन, सर्वेक्षण के दौरान कोई टिट्टी नहीं देखी गई। इसलिए, अगले पखवाड़े तक टिट्टियों की गतिविधि होने की उम्मीद नहीं है।

Photographs taken by surveyors

